

## ॥ Sri TantrasAra samucChayOkta laghu homa prayoga

॥

( TantrAgnI vidhAnaM from text of nArAayNa-A mantravAdin from kerala desha )

- ShAkta sAdhaka should perform tAntriKa Achamana with following mantras :

ॐ कूट-१ आत्मतत्त्वं शोधयामि स्वाहा ॥ १ ॥

ॐ कूट-२ विद्यातत्त्वं शोधयामि स्वाहा ॥ २ ॥

ॐ कूट-३ शिवतत्त्वं शोधयामि स्वाहा ॥ ३ ॥

ॐ कूट-४ सर्वतत्त्वं शोधयामि स्वाहा ॥ ४ ॥

- Using mula mantra sAdhaka should wear kula pavitrakas in both hands. ( kula pavitrakas are - pavitrakas madeup of gold/copper/silver wires . ) - Optinally gold/copper/silver rings having can also be used as kula pavitrakas.

- Now he should perform 3 prANAyAmas with mula mantra.

- sAdhak should recite aMkalpvAkyA for tAntriKa homa with ॐ अद्य इत्यादि देश कालौ संकीर्त्य अमुक गोत्रोऽमुक देव शर्मा कर्तृका मुदेवता मुक कर्मा ड़ग्गमूत होम कर्मा हंकरिष्ये ॥ & perform viniyoga nyAsa dlof mula mantra.

## ॥ sThanDila karma ॥

- Make a 'ishUmAtra sThanDila' (A earthen platform made up of sand/fine

clay in a square shape , about one cubit ).

- Using a sacrificial Twig (Shakal) draw a self pointing Triangle (svAgra TrikoNa) on sThanDila, optionally can be performed with help of SPhya/aBhrl/shrUvamUla/kusha.

-Write agnIbija रं inside the triangle.

- Throw the sacrificial twig that was used for drawing triangle & touch water for shudDhi.

- Worship sThanDila with gandhAkShata using this mantra

ॐ.....देवीस्थण्डलायनमः॥

## ॥ agnI SThapanam ॥

- sADhaka should bring agnI in a copper plate/ in a new earthen vessel (SarAva) from brAhman household maintaining grihya/shrauta fire or from rich vaishya`s home or fire can be generated with lense (suryakAnTA maNI) or by araNI- manthan, Or simply agnI can be brought from any pure lokika source( like traditional lamp/From some aKhanDa dIpa).

- A small burning part is disposed in South-West direction (kravyAda nirasan) and this part is cooled with lokika water.

- sADhaka should then perform sThApna of agnI ( placing brought agni on sThanDila ). He should rotate agnI trice in clockwise direction on sThanDila then he should put agnI on sThanDila with agnIbija रं and should show jwAlinI muDra.

- He should kindle brought fire on sThanDila with this mantra

'ॐ चित्पिङ्गल हनहन दहदह पचपच सर्वज्ञापयस्वाहा ॥' Or with mantra "ॐ हीं हीं ज्वलज्वल प्रज्वल प्रज्वल हुँ हुँ फट्स्वाहा ॥"- He should

perform UpasThana of agnl in namaskAra muDra with following verse:-

ॐ अग्निं प्रज्वलितं वन्देजातवेदं हुताशनम् । सुवर्णवर्णममलं समिद्धं  
विश्वतो मुखम् ॥

- He should meditate on agni with following DhyAna sloka

ॐ इष्टं शक्तिं स्वस्तिका भीति मुच्यैर्दीर्घैर्दीर्घैर्धर्यन्तं यवाभम् । हे माकल्पं  
पद्मसंस्थं त्रिनेत्रं ध्यायेद्वहिं बद्धमौलिं जटाभिः ॥ १ ॥ & offer  
panchOpachara puJA to agnl.

- One should perform parisamuHan,paristarana & paryukShan of agnl with  
mantras ॐ रं अग्नये त्वा परिस्तारमि ॥ ॐ रं अग्नये त्वा प्रोक्षमि ॥ etc.

- With following mantras he should offer gandhAKShatas in eight  
directions of sThanDila :-

ॐ अग्नये जातवेदसेनमः ॥ १ ॥

ॐ अग्नये सप्तजिह्वायनमः ॥ २ ॥

ॐ अग्नये हव्यवाहनायनमः ॥ ३ ॥

ॐ अग्नये अश्वोदरजायनमः ॥ ४ ॥

ॐ अग्नये वैश्वानरायनमः ॥ ५ ॥

ॐ अग्नये कौमारतेजसेनमः ॥ ६ ॥

ॐ अग्नये विश्वमुखायनमः ॥ ७ ॥

ॐ अग्नये देवमुखायनमः ॥ ८ ॥

॥ pATrAsAdan ॥

- He should place a lokika jalapATra in South-West direction & sruk-survA in  
his right side.

- sADhaka should place an ajyasThAll filled with ghee in between him & agnl . He should recite mUla manTra 8 times on Ajya ,should show dhenU muDra & perform prokShan of Ajya.

## || HomaM ||

- sADhaka should offer a sacrificial Twig ( samit ) in agnl with the mantra:-

ॐ वैश्वानरजातवेदेऽहावहलोहिताक्षसर्वकर्मणिसाध्यस्वाहा॥

- He should then offer AjyaBhaga with following mantras:-

ॐ अग्नयेस्वाहा॥ अग्नयेऽदंनमम्॥ १॥ Offer Ahuti in north side of sThanDila ( i.e. southward side of agnl )

ॐ सोमायस्वाहा॥ सोमायेदंनमम्॥ २॥ Offer Ahuti in south side of sThanDila ( i.e. north side of agnl )

ॐ अग्नीषोमाभ्यांस्वाहा॥ अग्नीषोमाभ्यामिदंनमम्॥ ३॥ Offer Ahuti in east of sThanDila

ॐ अग्नयेस्विष्टकृतेस्वाहा अग्नयेस्विष्टकृतेऽदंनमम्॥ ४॥ Offer Ahuti in middle of sThanDila

- In krishna pakSha he should use following mantras :-

ॐ सोमायस्वाहा॥ सोमायेदंनमम्॥ १॥ Offer Ahuti in south side of sThanDila ( i.e. north side of agnl )

ॐ अग्नयेस्वाहा॥ अग्नयेऽदंनमम्॥ २॥ Offer Ahuti in north side of sThanDila ( i.e. southward side of agnl )

ॐ सोमाग्निभ्यांस्वाहा॥ सोमाग्निभ्यामिदंनमम्॥ ३॥ Offer Ahuti in east of sThanDila

ॐ अग्नयेस्विष्टकृतेस्वाहा॥ अग्नयेस्विष्टकृतेऽदंनमम्॥ ४॥ Offer Ahuti in middle of sThanDila

- He should offer vyAHTI Homa with following mantras:-

ॐ अँ स्वाहा ॥ परमात्मनेनमम् ॥ १ ॥

ॐ भूः स्वाहा ॥ अग्नये इदं नमम् ॥ २ ॥

ॐ भुवः स्वाहा ॥ वायवे इदं नमम् ॥ ३ ॥

ॐ स्वः स्वाहा ॥ सूर्याय इदं नमम् ॥ ४ ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः स्वाहा ॥ प्रजापतये इदं नमम् ॥ ५ ॥

- He should offer agnI jiHvA Homa with following mantras :-

ॐ स्त्र्यूं हिरण्यायै स्वाहा ॥ १ ॥ ऐशान्यां

ॐ श्र्यूं गग्नायै स्वाहा ॥ २ ॥ प्राच्यां

ॐ श्र्यूं रक्तायै स्वाहा ॥ ३ ॥ आग्नेय्याम्

ॐ व्र्यूं कृष्णायै स्वाहा ॥ ४ ॥ नैरऋत्यां

ॐ लूं यूं सुप्रभायै स्वाहा ॥ ५ ॥ पश्चिमायाम्

ॐ र्यूं बहुरूपायै स्वाहा ॥ ६ ॥ वायव्ययाम्

ॐ ग्र्यूं अतिरिक्तायै स्वाहा ॥ ७ ॥ मध्ये

- He should offer agnIaNga Homa with following mantras :-

ॐ सहस्रार्चिषेहृदयाय नमः स्वाहा ॥ १ ॥

ॐ स्वस्तिपूर्णाय शिरसे स्वाहा ॥ २ ॥

ॐ उत्तिष्ठपुरुषाय शिखायै वषट् ॥ ३ ॥

ॐ धूमव्यापि नेकवचाय हुम्स्वाहा ॥ ४ ॥

ॐ सप्तजिह्वाय नेत्रत्रयाय वौषट् स्वाहा ॥ ५ ॥

ॐ धनुर्धराय ास्त्राय फट् स्वाहा ॥ ६ ॥

-He should then offer agnI mantra Homatric with following mantra:-ॐ  
उत्तिष्ठपुरुषहरितपिङ्-गललोहिताक्षसर्वकर्माणि साध्यमेदेहिदापयस्वाहा॥

- For Shaiva deities or deities worshiped on Shaiva pITha (like Anjaneya, Ashu garUDa, kirATA murthy, aGhora subrahmanya ) offer AhutIs of following mantras :

ॐ गुरुभ्यः स्वाहा ॥

ॐ परमगुरुभ्यः स्वाहा ॥

ॐ परमेष्ठिगुरुभ्यः स्वाहा ॥

ॐ महागुरुभ्यः स्वाहा ॥

ॐ शैवगुरुभ्यः स्वाहा ॥

ऐं वागीश्वर्येस्वाहा ॥

क्षेंक्षेत्रपालायस्वाहा ॥

नं नारदायस्वाहा ॥

पं पुर्वसिद्धेभ्यः स्वाहा ॥

-For sAkta deities or deities worshiped on sAkta pITha offer AhutIs with 10 parts (DashKhandI) of mahA ganpatI mantra & 11/9/4 AhutIs of complete mahA ganpatI mantra . Same mantras are to be used in case of vaiShnava/gAnpatya deities or deities worshiped on vaiShnava pITha & gAnpatya pITha .

ॐ अस्य श्री महागणपतिमंत्रस्यगणकऋषिः । निचृद्गायत्री छन्दः ।  
महागणपतिर्देवता । श्री बीजं । हीं शक्ती । होमेविनियोगः ॥

ॐ स्वाहा ॥ १ ॥

ॐ श्रीं स्वाहा ॥ २ ॥

ॐ श्रीं हीं स्वाहा ॥ ३ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं स्वाहा ॥ ४ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं स्वाहा ॥ ५ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं गं स्वाहा ॥ ६ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये स्वाहा ॥ ७ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वरवरदस्वाहा ॥ ८ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वरवरदसर्वजनं मे स्वाहा ॥ ९ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वरवरदसर्वजनं मे वशमानयस्वाहा ॥ १० ॥

- Offer 4 AhutIs with complete mantra

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वरवरदसर्वजनं मे वशमानयस्वाहा ॥ १ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वरवरदसर्वजनं मे वशमानयस्वाहा ॥ २ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वरवरदसर्वजनं मे वशमानयस्वाहा ॥ ३ ॥

ॐ श्रीं हीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वरवरदसर्वजनं मे वशमानयस्वाहा ॥ ४ ॥

॥ pRaDhAna HomaM ॥

-First sADhaka should offer pITha Homa with the pITha mantras of respective deity.

( General ShAkta pITha Homa mantras are

॥ शक्तपीठहोमं ॥

ॐ आधारशक्तये स्वाहा ॥ १ ॥

ॐ मूलप्रकृतये स्वाहा ॥ २ ॥

ॐ कूर्मायस्वाहा ॥ ३ ॥

ॐ अनन्ताय स्वाहा ॥ ४ ॥  
ॐ वराहाय स्वाहा ॥ ५ ॥  
ॐ पृथिव्यै स्वाहा ॥ ६ ॥  
ॐ क्षीरसमुद्राय स्वाहा ॥ ७ ॥  
ॐ श्वेतद्वीपाय स्वाहा ॥ ८ ॥  
ॐ मणिमण्डपाय स्वाहा ॥ ९ ॥  
ॐ कल्पवृक्षाय स्वाहा ॥ १० ॥  
ॐ मणिवेदिकायै स्वाहा ॥ ११ ॥  
ॐ रत्नसिंहासनाय स्वाहा ॥ १२ ॥  
ॐ धर्माय स्वाहा ॥ १ ॥  
ॐ ज्ञानाय स्वाहा ॥ २ ॥  
ॐ वैराज्ञाय स्वाहा ॥ ३ ॥  
ॐ ऐश्वर्याय स्वाहा ॥ ४ ॥  
ॐ अधर्माय स्वाहा ॥ ५ ॥  
ॐ अज्ञानाय स्वाहा ॥ ६ ॥  
ॐ अवैराग्याय स्वाहा ॥ ७ ॥  
ॐ अनैश्वर्याय स्वाहा ॥ ८ ॥  
ॐ अनन्ताय स्वाहा ॥ ९ ॥  
ॐ पद्माय स्वाहा ॥ २ ॥  
ॐ आनन्दकन्दाय स्वाहा ॥ ३ ॥  
ॐ संविन्नालाय स्वाहा ॥ ४ ॥

ॐ सर्वतत्त्वात्मकपद्मायस्वाहा॥५॥

ॐ प्रकृतिमयपत्रेभ्योस्वाहा॥६॥

ॐ विकारमयकेशरेभ्योस्वाहा॥७॥

ॐ पञ्चाशद्वर्णबीजाद्यकर्णिकायैस्वाहा॥८॥

ॐ अंसूर्यमण्डलायद्वादशकलात्मनेस्वाहा॥९॥

ॐ उंसोममण्डलायषोडशकलात्मनेस्वाहा॥१०॥

ॐ मंवहिनमण्डलायदशकलात्मनेस्वाहा॥११॥

संसत्त्वायस्वाहा॥१॥

रंजसेस्वाहा॥२॥

तंतमसेस्वाहा॥३॥

आंआत्मनेस्वाहा॥४॥

अंअन्तरात्मनेस्वाहा॥५॥

पंपरमात्मनेस्वाहा॥६॥

हींज्ञानात्मनेस्वाहा॥७॥

ॐ जयायैस्वाहा॥१॥

ॐ विजयायैस्वाहा॥२॥

ॐ अजितायैस्वाहा॥३॥

ॐ अपराजितायैस्वाहा॥४॥

ॐ नित्यायैस्वाहा॥५॥

ॐ विलासिन्यैस्वाहा॥६॥

ॐ दोग्ध्र्यैस्वाहा॥७॥

ॐ अघोरायै स्वाहा ॥८॥

ॐ मङ्गलायै स्वाहा ॥९॥

हीं सर्वशक्तिकमलासनायनमः स्वाहा ॥१॥

)

- He should invoke deity in agni & offer a panchopchAra pujA.
- Optionally he should also offer AvaraNa Homa with the AvaraNa mantras of deity.
- Now he is eligible for mula mantra Homa. He should offer AhutIs of mula mantra according to his capacity.

## ॥ UttarANGaM ॥

- He should offer mahAvyAHTI Homa with following mantras:-

ॐ भूरग्नयेच पृथिव्यै च महतेच स्वाहा ॥१॥

ॐ भुवोवाय वेचान्तरीक्षाय च महतेच स्वाहा ॥२॥

ॐ स्वरादित्याय च दिवेच महतेच स्वाहा ॥३॥

ॐ भूर्भुवः स्वश्चन्द्रमसेच नक्षत्रेभ्यश्च दिग्भ्यश्च महतेच स्वाहा ॥४॥

- He should offer Ahuti with bRhamArapaNa mantra:-

ॐ इतः पूर्वप्राणबुद्धिदेहधर्माधिकारतो जाग्रत्स्वप्नसुषुप्त्यवस्थासु मनसा  
वाचाकर्मणाहस्ताभ्यां पदम्यामुदरेणशिशनाय त्स्मृतं यदुक्तं यत्कृतं तत्सर्वं  
ब्रह्मार्पणं भवतु स्वाहा ॥

- He should offer Ahuti with following mantra for sANGatAsiDDhi:- ॐ हूँ  
साङ्गकुरुकुरु स्वाहा ॥

- He should offer Ajya Shesha & samit Shesha with mantra of nirmAlya devtA of that particular devatA.

- sADhaka should offer puranAhutI in standing position with following mantra:-ॐमूलस्वाहा||×3times
- Finally he should perform UdwAsana of agnI with following mantra and should offer a flower to agnI :-

ॐस्वस्तिश्रद्धांयशःप्रज्ञांविद्यांबुद्धिंश्रियंबलम्|आयुष्यंतेजआरोग्यं  
देहिमेहव्यवाहना||१||

ॐभोभोवहनेमहाशक्तेसर्वकर्मप्रसाधक|कर्मान्तरेऽपिसंप्राप्तेसान्निध्यं  
कुरुसादरम्||२||

ॐचिदग्निदेवतांचात्मन्युद्द्वासयामिनमः||

- Now he should wear the Homa Bhasama with mula mantra or mantras according to once's kalp.

||||\*\*\*\*\*| Hence Ends the laghu homa prayoga as described in TantrasArasamucChaya of kerala based mantravAdin nArAayNa explained by UjjayanI based aTharvavedin Animesh nAgar of paipplAdi goTra ||\*\*\*\*\*|